

1-1-1977 to 31-3-1978. Of these 2 cases were approved, 2 rejected and 1 otherwise dispose of. 3 applications are pending for consideration. Rejections were on grounds of adequate capacity already licensed. Details of approved schemes are published in the "Weekly Bulletin industrial licences, import licences and export licences" and "Monthly list of letters of intent and industrial licences". Copies of these publications are available in the Parliament Library.

विली प्रशासन से अनुमति जारियों और अनुमति जनजातियों के कर्मचारी

8288. श्री बही लाल : क्या यह मंत्री दिल्ली प्रशासन में अनुमति जारियों और अनुमति जनजातियों के कर्मचारियों के बारे में 7 दिसंबर, 1977 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2900 के उत्तर के संबंध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अपेक्षित जानकारी इस बीच एकल कर ली गई है ;

(ख) यदि हाँ, तो तस्वीरी घौरा क्या है ; और

(ग) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं और अपेक्षित जानकारी कब तक एकल कर ली जायेगी तथा उस पर क्या कार्य बाही की जायेगी ?

यह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री शक्ति लाल लक्ष्मण) : (क) से (ग). अपेक्षित सूचना विली प्रशासन से प्राप्त कर ली गई है और उसकी जांच पड़ताल की जा रही है। लाठीख 7 दिसंबर, 1977 के अतारांकित प्रश्न संख्या 2900 के उत्तर में यह ए आश्वासन की पूर्ति में यह सूचना भी इसी सूचना के पटल पर रख दी जाएगी।

भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी की मुख्य सूचना अधिकारी के द्वारा में नियुक्त

8289. श्री राम सेवक हजारी :

श्री एम० रामगोपाल रेडी :

श्री जनार्दन पुजारी :

श्री ज्योतिर्मय बसु :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या केन्द्रीय सूचना सेवा के अधिकारियों ने भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी की मुख्य सूचना अधिकारी के द्वारा पर नियुक्ति के विरुद्ध अपनी नाराजगी व्यक्त की है ;

(ख) यदि हाँ, तो इस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ; और

(ग) उनके हितों की रक्खा करने के लिये सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की जा रही है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री लाल हुड्डा प्रद्युम्नी) : (क) सेंट्रल इकार्फेशन सर्विस एकोसिटेशन ने इस बारे में सरकार को एक आव्याखेदन दिया है।

(ख) आव्याखेदन सरकार के विचाराली है।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

अमृ॒ और कम्बीर में निरस्तार किये जाने वालिस्तानी आमूल

8290. श्री राम सेवक हजारी : क्या यह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :